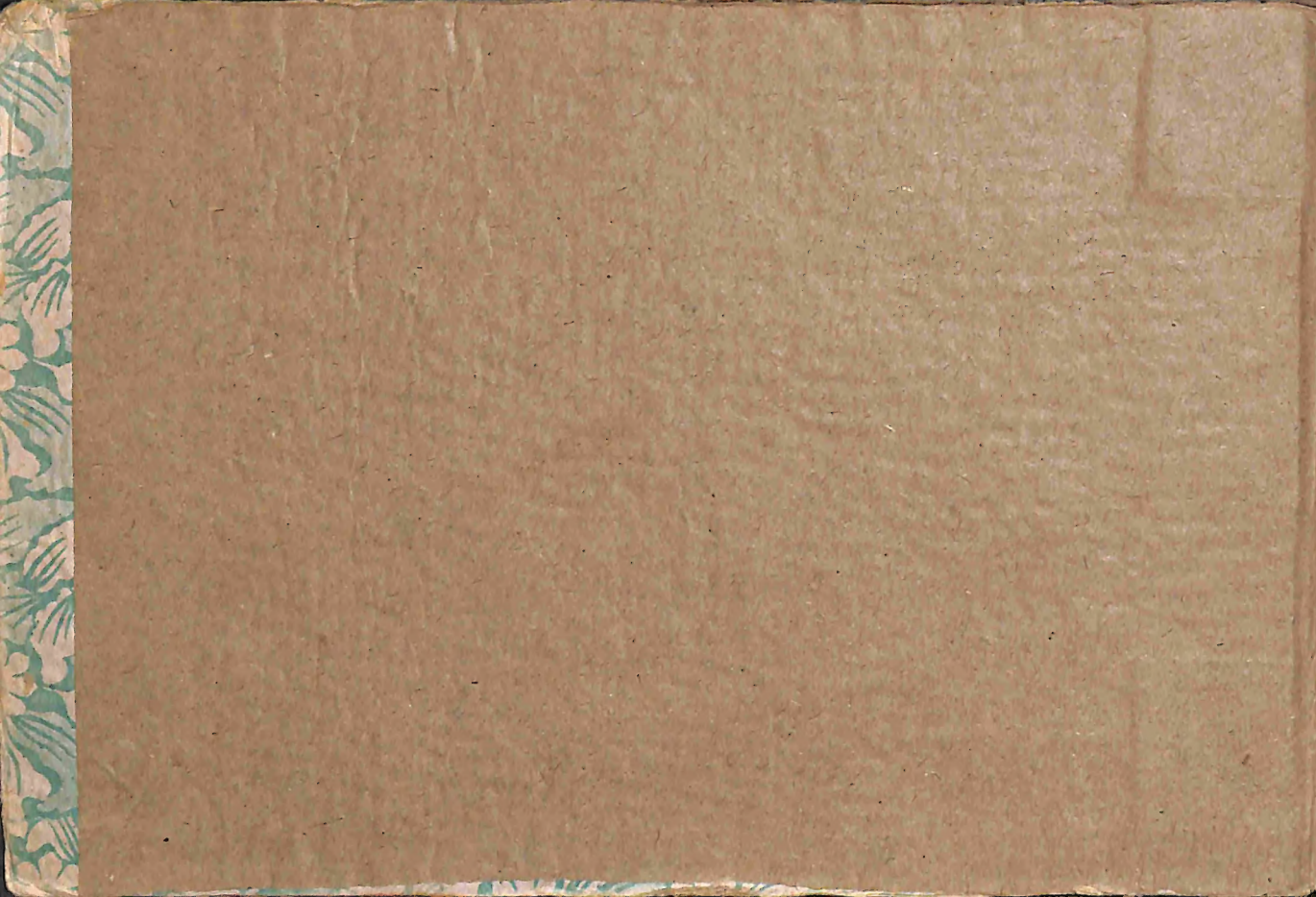
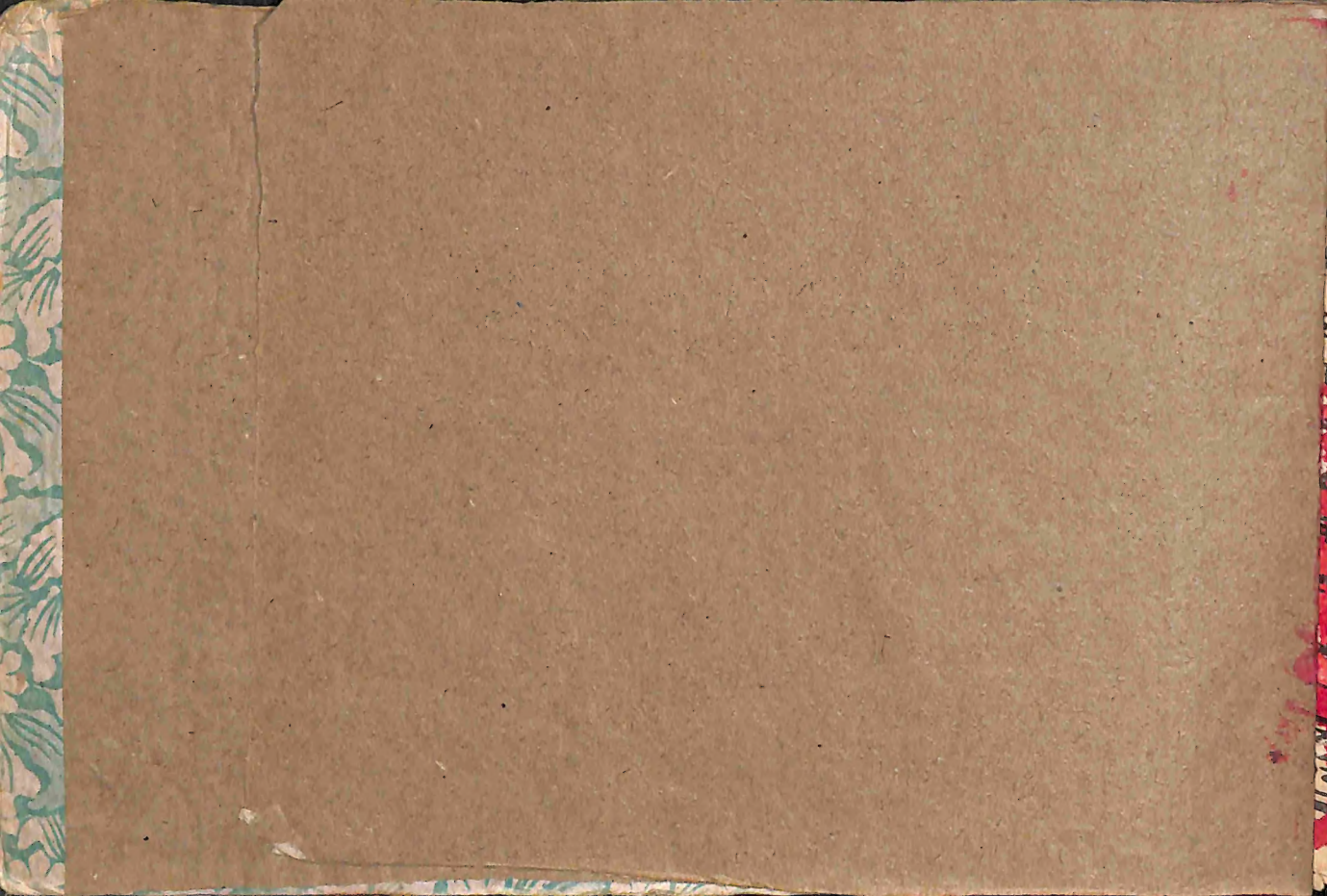


● 4090
2082
2204
1904-05







५०६० / २०४९ / १२०६ / १२८४ / १

श्रीगणेशाय नमः

लक्ष्मि संवत् १८०५

विष्णुयाम्युग संवत् ३०

व्यहृत् "रंभु" ५३

गणेशी भक्त्याष्टमः

मह्यद्विधितः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४



श्रीविष्णुयाम्युग नमः

विक्रम सं १०४० माघ ०७

कलियुग गङ्गा ५०७४

नम संवत् ५४५३

गङ्गा संवत् ५४५३

मंडी उरुः मध्याह्निकः

मध्याह्निकः गुरुः पञ्चाङ्गः मदि

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

विधिः वरः श्रीगणेशः ५४

| | म | रु | मि | क | सि | क | उं | रु | प | म | ऊं | मी |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|----|----|
| मः | ०५ | ३ | ०५ | ३ | ०० | ०५ | ३ | ०५ | ०० | ५ | ५ | ०० |
| मः | ०० | ५ | ३ | ०० | ०० | ३ | ५ | ०० | ३ | ५ | ५ | ३ |

वि. नं.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|-----|
| २० | ०५ | ०७ | १० | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | | | | | |
| ०१ | ०२ | ०३ | ०४ | ०५ | ०६ | ०७ | ०८ | ०९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

विक्र. ३०० वैयदि ३११५ नमव वंके के पंली भी सु कुंमदर। मसि सुव धिरी ठीम प्रली री के क.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ०१ | ०२ | ०३ | ०४ | ०५ | ०६ | ०७ | ०८ | ०९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| ०१ | ०२ | ०३ | ०४ | ०५ | ०६ | ०७ | ०८ | ०९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

दीयता ७५ मद्रकड
 वंम ०१५५ सुमासीवड
 कुंकीटी ०१५५ संकट ५५५५
 नं ०१५५ दविभं निता १० काळडः
 पंम नि ०१५५ नं दि ०१५५ भासुं वर सुभासः
 दविभीस्मां वंताल ५ भमलभातं नो
 भंम नि ०१५५ सुभासः
 मद्रकडः
 सुभासः
 कुंम ००१५५ ५५५ भंमभासः
 नंम नि १० वरुविनी ०० वरुभुद्रा
 भीम नि ०१५५ वरु सुभासः ००, सुभासः
 दिमः
 नंम ०१५५ नं नि १०१५५ ५५५
 नंम नि १५५५ नं नि १५५५
 मद्रः

[illegible]

ਸੰ. ੫੯. ੧. ਇਸਦੀ ੧੫।੦ ਕੁ ਅਵਸਰ ਉਸਦੀ ਠੀਕ ਠੀਕ। ਮੈਂ ਅਸਰਾ ਬਾਤੀ ਨਿਸ਼ਾਨ ਕਰ

[illegible]

[illegible]

ક.વ.૧૬. ઠંડાદિ ૭૭૧૦ મિ. સુ. પૂ. ઉંચે રત્ના કંચુ રુકાદર । મં. પ્ર. ૩૧૧ મં. ઉંચે પ્ર. ૩૧૧ ૫૬૭

[illegible]

[illegible]

નં. ૫૦૬૦. સુદિનયમિ ૩૦. ૧૯૦૬ નિર્મિત વાંચકે કંઠ્યા કંસુ તંસદયા પ્રકૃત દૃષ્ટિ મંવપ્રતી જનુ.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 05 | 09 | 01 | 00 | 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 00 |
| 05 | 09 | 01 | 00 | 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 | 09 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 00 |

[illegible]

नं० २८५ अतिमरुदि १७। इ. कं प्र पंडीली सिंग उंचुम दर देकें । ३४ प्र व प्रंडीली गुमु विम नर संक

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 9497 | 9498 | 8483 | 9499 | 8454 | 9478 | 9451 | 8407 | 9511 | 9507 | 9595 | 9553 | 9521 | 9547 |
| 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 | 7 9 |
| 87 0 | 92 87 | 94 9 | 91 90 | 93 2 | 90 00 | 0 5 | 0 07 | 9 0 | 7 05 | 5 0 | 4 05 | 5 97 | 7 00 |
| 45 3 | 47 97 | 43 9 | 0 40 | 0 40 | 9 0 | 7 07 | 4 75 | 5 44 | 7 3 | 7 04 | 01 00 | 00 44 | 07 94 |
| 79 7 | 89 20 | 44 79 | 3 07 | 39 30 | 77 3 | 49 07 | 3 01 | 92 0 | 71 41 | 3 07 | 70 77 | 43 90 | 04 7 |
| 50 57 | 50 00 | 50 30 | 50 53 | 50 32 | 50 56 | 50 54 | 05 47 | 50 54 | 50 54 | 50 53 | 50 57 | 50 58 | 50 57 |
| 00 84 | 00 98 | 09 35 | 07 24 | 02 89 | 04 99 | 04 4 | 05 47 | 05 40 | 89 27 | 89 35 | 89 30 | 79 45 | 39 21 |

ਸੰ. ੫੯੦ ਯੋਗਿ ੩੮। ੭੯ ਅੰਕ ੧ ਅੰਕੁਤਰੰਗੀ ਤੰਸਦਰ। ਇਹ ਰਹਿਤੋਂ ਪੁਰਾਣੀ ਅਸਥਿਤਿ ਮਲ

[illegible]

भिसंम ५०५ वं दीव भाद्रपद १०५५
कालः

ਨਾਮੁ ਹਿਸਿ ੦੦

જાન્યુઆરી ૦૦/૦૦ સંવત્સર દિવસ:

१११ उंगमयौ (सुभउगमो)

सिंह सं १९०१३५ नं १११०३२००१०३ अमु

ॐ ह्रीं श्रीं ११ अक्षरानां श्रीं काकुभिन्

कथा राजकुं दुः प्रहृष्टां च मन्त्रिणम्
अथ राजाः अथ राजाः

संज्ञा ७।४१ अत्र चैव

॥ ८८ ॥ ०० ॥ ५५ ॥ ५५ ॥

ॐ सं ०५१५५ ५०५

उद्योगी दुःखः
दुःखः १११

मङ्गल ०७/०३/२०२३ मङ्गल ०७/०३/२०२३ मङ्गल ०७/०३/२०२३
मङ्गल ०७/०३/२०२३ मङ्गल ०७/०३/२०२३ मङ्गल ०७/०३/२०२३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

नं. ५०५० अक्षि ३५१०३०३ कठे वनदीवके रली मंरु वर। प्रसदीव मठे उणी म्मु विसके

[illegible]

[illegible]

१०५० मालावदि ३५। १३० अथ कंठे च पंथी कंसके वरा। ३५ मठे प्रव उरगी मउ कु विमके नम

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| 2004 | 2005 | 2006 | 2007 | 2008 | 2009 | 2010 | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 | 2029 | 2030 | 2031 | 2032 | 2033 | 2034 | 2035 | 2036 | 2037 | 2038 | 2039 | 2040 | 2041 | 2042 | 2043 | 2044 | 2045 | 2046 | 2047 | 2048 | 2049 | 2050 | 2051 | 2052 | 2053 | 2054 | 2055 | 2056 | 2057 | 2058 | 2059 | 2060 | 2061 | 2062 | 2063 | 2064 | 2065 | 2066 | 2067 | 2068 | 2069 | 2070 | 2071 | 2072 | 2073 | 2074 | 2075 | 2076 | 2077 | 2078 | 2079 | 2080 | 2081 | 2082 | 2083 | 2084 | 2085 | 2086 | 2087 | 2088 | 2089 | 2090 | 2091 | 2092 | 2093 | 2094 | 2095 | 2096 | 2097 | 2098 | 2099 | 2100 | 2101 | 2102 | 2103 | 2104 | 2105 | 2106 | 2107 | 2108 | 2109 | 2110 | 2111 | 2112 | 2113 | 2114 | 2115 | 2116 | 2117 | 2118 | 2119 | 2120 | 2121 | 2122 | 2123 | 2124 | 2125 | 2126 | 2127 | 2128 | 2129 | 2130 | 2131 | 2132 | 2133 | 2134 | 2135 | 2136 | 2137 | 2138 | 2139 | 2140 | 2141 | 2142 | 2143 | 2144 | 2145 | 2146 | 2147 | 2148 | 2149 | 2150 | 2151 | 2152 | 2153 | 2154 | 2155 | 2156 | 2157 | 2158 | 2159 | 2160 | 2161 | 2162 | 2163 | 2164 | 2165 | 2166 | 2167 | 2168 | 2169 | 2170 | 2171 | 2172 | 2173 | 2174 | 2175 | 2176 | 2177 | 2178 | 2179 | 2180 | 2181 | 2182 | 2183 | 2184 | 2185 | 2186 | 2187 | 2188 | 2189 | 2190 | 2191 | 2192 | 2193 | 2194 | 2195 | 2196 | 2197 | 2198 | 2199 | 2200 | 2201 | 2202 | 2203 | 2204 | 2205 | 2206 | 2207 | 2208 | 2209 | 2210 | 2211 | 2212 | 2213 | 2214 | 2215 | 2216 | 2217 | 2218 | 2219 | 2220 | 2221 | 2222 | 2223 | 2224 | 2225 | 2226 | 2227 | 2228 | 2229 | 2230 | 2231 | 2232 | 2233 | 2234 | 2235 | 2236 | 2237 | 2238 | 2239 | 2240 | 2241 | 2242 | 2243 | 2244 | 2245 | 2246 | 2247 | 2248 | 2249 | 2250 | 2251 | 2252 | 2253 | 2254 | 2255 | 2256 | 2257 | 2258 | 2259 | 2260 | 2261 | 2262 | 2263 | 2264 | 2265 | 2266 | 2267 | 2268 | 2269 | 2270 | 2271 | 2272 | 2273 | 2274 | 2275 | 2276 | 2277 | 2278 | 2279 | 2280 | 2281 | 2282 | 2283 | 2284 | 2285 | 2286 | 2287 | 2288 | 2289 | 2290 | 2291 | 2292 | 2293 | 2294 | 2295 | 2296 | 2297 | 2298 | 2299 | 2300 | 2301 | 2302 | 2303 | 2304 | 2305 | 2306 | 2307 | 2308 | 2309 | 2310 | 2311 | 2312 | 2313 | 2314 | 2315 | 2316 | 2317 | 2318 | 2319 | 2320 | 2321 | 2322 | 2323 | 2324 | 2325 | 2326 | 2327 | 2328 | 2329 | 2330 | 2331 | 2332 | 2333 | 2334 | 2335 | 2336 | 2337 | 2338 | 2339 | 2340 | 2341 | 2342 | 2343 | 2344 | 2345 | 2346 | 2347 | 2348 | 2349 | 2350 | 2351 | 2352 | 2353 | 2354 | 2355 | 2356 | 2357 | 2358 | 2359 | 2360 | 2361 | 2362 | 2363 | 2364 | 2365 | 2366 | 2367 | 2368 | 2369 | 2370 | 2371 | 2372 | 2373 | 2374 | 2375 | 2376 | 2377 | 2378 | 2379 | 2380 | 2381 | 2382 | 2383 | 2384 | 2385 | 2386 | 2387 | 2388 | 2389 | 2390 | 2391 | 2392 | 2393 | 2394 | 2395 | 2396 | 2397 | 2398 | 2399 | 2400 | 2401 | 2402 | 2403 | 2404 | 2405 | 2406 | 2407 | 2408 | 2409 | 2410 | 2411 | 2412 | 2413 | 2414 | 2415 | 2416 | 2417 | 2418 | 2419 | 2420 | 2421 | 2422 | 2423 | 2424 | 2425 | 2426 | 2427 | 2428 | 2429 | 2430 | 2431 | 2432 | 2433 | 2434 | 2435 | 2436 | 2437 | 2438 | 2439 | 2440 | 2441 | 2442 | 2443 | 2444 | 2445 | 2446 | 2447 | 2448 | 2449 | 2450 | 2451 | 2452 | 2453 | 2454 | 2455 | 2456 | 2457 | 2458 | 2459 | 2460 | 2461 | 2462 | 2463 | 2464 | 2465 | 2466 | 2467 | 2468 | 2469 | 2470 | 2471 | 2472 | 2473 | 2474 | 2475 | 2476 | 2477 | 2478 | 2479 | 2480 | 2481 | 2482 | 2483 | 2484 | 2485 | 2486 | 2487 | 2488 | 2489 | 2490 | 2491 | 2492 | 2493 | 2494 | 2495 | 2496 | 2497 | 2498 | 2499 | 2500 | 2501 | 2502 | 2503 | 2504 | 2505 | 2506 | 2507 | 2508 | 2509 | 2510 | 2511 | 2512 | 2513 | 2514 | 2515 | 2516 | 2517 | 2518 | 2519 | 2520 | 2521 | 2522 | 2523 | 2524 | 2525 | 2526 | 2527 | 2528 | 2529 | 2530 | 2531 | 2532 | 2533 | 2534 | 2535 | 2536 | 2537 | 2538 | 2539 | 2540 | 2541 | 2542 | 2543 | 2544 | 2545 | 2546 | 2547 | 2548 | 2549 | 2550 | 2551 | 2552 | 2553 | 2554 | 2555 | 2556 | 2557 | 2558 | 2559 | 2560 | 2561 | 2562 | 2563 | 2564 | 2565 | 2566 | 2567 | 2568 | 2569 | 2570 | 2571 | 2572 | 2573 | 2574 | 2575 | 2576 | 2577 | 2578 | 2579 | 2580 | 2581 | 2582 | 2583 | 2584 | 2585 | 2586 | 2587 | 2588 | 2589 | 2590 | 2591 | 2592 | 2593 | 2594 | 2595 | 2596 | 2597 | 2598 | 2599 | 2600 | 2601 | 2602 | 2603 | 2604 | 2605 | 2606 | 2607 | 2608 | 2609 | 2610 | 2611 | 2612 | 2613 | 2614 | 2615 | 2616 | 2617 | 2618 | 2619 | 2620 | 2621 | 2622 | 2623 | 2624 | 2625 | 2626 | 2627 | 2628 | 2629 | 2630 | 2631 | 2632 | 2633 | 2634 | 2635 | 2636 | 2637 | 2638 | 2639 | 2640 | 2641 | 2642 | 2643 | 2644 | 2645 | 2646 | 2647 | 2648 | 2649 | 2650 | 2651 | 2652 | 2653 | 2654 | 2655 | 2656 | 2657 | 2658 | 2659 | 2660 | 2661 | 2662 | 2663 | 2664 | 2665 | 2666 | 2667 | 2668 | 2669 | 2670 | 2671 | 2672 | 2673 | 2674 | 2675 | 2676 | 2677 | 2678 | 2679 | 2680 | 2681 | 2682 | 2683 | 2684 | 2685 | 2686 | 2687 | 2688 | 2689 | 2690 | 2691 | 2692 | 2693 | 2694 | 2695 | 2696 | 2697 | 2698 | 2699 | 2700 | 2701 | 2702 | 2703 | 2704 | 2705 | 2706 | 2707 | 2708 | 2709 | 2710 | 2711 | 2712 | 2713 | 2714 | 2715 | 2716 | 2717 | 2718 | 2719 | 2720 | 2721 | 2722 | 2723 | 2724 | 2725 | 2726 | 2727 | 2728 | 2729 | 2730 | 2731 | 2732 | 2733 | 2734 | 2735 | 2736 | 2737 | 2738 | 2739 | 2740 | 2741 | 2742 | 2743 | 2744 | 2745 | 2746 | 2747 | 2748 | 2749 | 2750 | 2751 | 2752 | 2753 | 2754 | 2755 | 2756 | 2757 | 2758 | 2759 | 2760 | 2761 | 2762 | 2763 | 2764 | 2765 | 2766 | 2767 | 2768 | 2769 | 2770 | 2771 | 2772 | 2773 | 2774 | 2775 | 2776 | 2777 | 2778 | 2779 | 2780 | 2781 | 2782 | 2783 | 2784 | 2785 | 2786 | 2787 | 2788 | 2789 | 2790 | 2791 | 2792 | 2793 | 2794 | 2795 | 2796 | 2797 | 2798 | 2799 | 2800 | 2801 | 2802 | 2803 | 2804 | 2805 | 2806 | 2807 | 2808 | 2809 | 2810 | 2811 | 2812 | 2813 | 2814 | 2815 | 2816 | 2817 | 2818 | 2819 | 2820 | 2821 | 2822 | 2823 | 2824 | 2825 | 2826 | 2827 | 2828 | 2829 | 2830 | 2831 | 2832 | 2833 | 2834 | 2835 | 2836 | 2837 | 2838 | 2839 | 2840 | 2841 | 2842 | 2843 | 2844 | 2845 | 2846 | 2847 | 2848 | 2849 | 2850 | 2851 | 2852 | 2853 | 2854 | 2855 | 2856 | 2857 | 2858 | 2859 | 2860 | 2861 | 2862 | 2863 | 2864 | 2865 | 2866 | 2867 | 2868 | 2869 | 2870 | 2871 | 2872 | 2873 | 2874 | 2875 | 2876 | 2877 | 2878 | 2879 | 2880 | 2881 | 2882 | 2883 | 2884 | 2885 | 2886 | 2887 | 2888 | 2889 | 2890 | 2891 | 2892 | 2893 | 2894 | 2895 | 2896 | 2897 | 2898 | 2899 | 2900 | 2901 | 2902 | 2903 | 2904 | 2905 | 2906 | 2907 | 2908 | 2909 | 2910 | 2911 | 2912 | 2913 | 2914 | 2915 | 2916 | 2917 | 2918 | 2919 | 2920 | 2921 | 2922 | 2923 | 2924 | 2925 | 2926 | 2927 | 2928 | 2929 | 2930 | 2931 | 2932 | 2933 | 2934 | 2935 | 2936 | 2937 | 2938 | 2939 | 2940 | 2941 | 2942 | 2943 | 2944 | 2945 | 2946 | 2947 | 2948 | 2949 | 2950 | 2951 | 2952 | 2953 | 2954 | 2955 | 2956 | 2957 | 2958 | 2959 | 2960 | 2961 | 2962 | 2963 | 2964 | 2965 | 2966 | 2967 | 2968 | 2969 | 2970 | 2971 | 2972 | 2973 | 2974 | 2975 | 2976 | 2977 | 2978 | 2979 | 2980 | 2981 | 2982 | 2983 | 2984 | 2985 | 2986 | 2987 | 2988 | 2989 | 2990 | 2991 | 2992 | 2993 | 2994 | 2995 | 2996 | 2997 | 2998 | 2999 | 3000 | 3001 | 3002 | 3003 | 3004 | 3005 | 3006 | 3007 | 3008 | 3009 | 3010 | 3011 | 3012 | 3013 | 3014 | 3015 | 3016 | 3017 | 3018 | 3019 | 3020 | 3021 | 3022 | 3023 | 3024 | 3025 | 3026 | 3027 | 3028 | 3029 | 3030 | 3031 | 3032 | 3033 | 3034 | 3035 | 3036 | 3037 | 3038 | 3039 | 3040 | 3041 | 3042 | 3043 | 3044 | 3045 | 3046 | 3047 | 3048 | 3049 | 3050 | 3051 | 3052 | 3053 | 3054 | 3055 | 3056 | 3057 | 3058 | 3059 | 3060 | 3061 | 3062 | 3063 | 3064 | 3065 | 3066 | 3067 | 3068 | 3069 | 3070 | 3071 | 3072 | 3073 | 3074 | 3075 | 3076 | 3077 | 3078 | 3079 | 3080 | 3081 | 3082 | 3083 | 3084 | 3085 | 3086 | 3087 | 3088 | 3089 | 3090 | 3091 | 3092 | 3093 | 3094 | 3095 | 3096 | 3097 | 3098 | 3099 | 3100 | 3101 | 3102 | 3103 | 3104 | 3105 | 3106 | 3107 | 3108 | 3109 | 3110 | 3111 | 3112 | 3113 | 3114 | 3115 | 3116 | 3117 | 3118 | 3119 | 3120 | 3121 | 3122 | 3123 | 3124 | 3125 | 3126 | 3127 | 3128 | 3129 | 3130 | 3131 | 3132 | 3133 | 3134 | 3135 | 3136 | 3137 | 3138 | 3139 | 3140 | 3141 | 3142 | 3143 | 3144 | 3145 | 3146 | 3147 | 3148 | 3149 | 3150 | 3151 | 3152 | 3153 | 3154 | 3155 | 3156 | 3157 | 3158 | 3159 | 3160 | 3161 | 3162 | 3163 | 3164 | 3165 | 3166 | 3167 | 3168 | 3169 | 3170 | 3171 | 3172 | 3173 | 3174 | 3175 | 3176 | 3177 | 3178 | 3179 | 3180 | 3181 | 3182 | 3183 | 3184 | 3185 | 3186 | 3187 | 3188 | 3189 | 3190 | 3191 | 3192 | 3193 | 3194 | 3195 | 3196 | 3197 | 3198 | 3199 | 3200 | 3201 | 3202 | 3203 | 3204 | 3205 | 3206 | 3207 | 3208 | 3209 | 3210 | 3211 | 3212 | 3213 | 3214 | 3215 | 3216 | 3217 | 3218 | 3219 | 3220 | 3221 | 3222 | 3223 | 3224 | 3225 | 3226 | 3227 | 3228 | 3229 | 3230 | 3231 | 3232 | 3233 | 3234 | 3235 | 3236 | 3237 | 3238 | 3239 | 3240 | 3241 | 3242 | 3243 | 3244 | 3245 | 3246 | 3247 | 3248 | 3249 | 3250 | 3251 | 3252 | 3253 | 3254 | 3255 | 3256 | 3257 | 3258 | 3259 | 3260 | 3261 | 3262 | 3263 | 3264 | 3265 | 3266 | 3267 | 3268 | 3269 | 3270 | 3271 | 3272 | 3273 | 3274 | 3275 | 3276 | 3277 | 3278 | 3279 | 3280 | 3281 | 3282 | 3283 | 3284 | 3285 | 3286 | 3287 | 3288 | 3289 | 3290 | 3291 | 3292 | 3293 | 3294 | 3295 | 3296 | 3297 | 3298 | 3299 | 3300 | 3301 | 3302 | 3303 | 3304 | 3305 | 3306 | 3307 | 3308 | 3309 | 3310 | 3311 | 3312 | 3313 | 3314 | 3315 | 3316 | 3317 | 3318 | 3319 | 3320 | 3321 | 3322 | 3323 | 3324 | 3325 | 3326 | 3327 | 3328 | 3329 | 3330 | 3331 | 3332 | 3333 | 3334 | 3335 | 3336 | 3337 | 3338 | 3339 | 3340 | 3341 | 3342 | 3343 | 3344 | 3345 | 3346 | 3347 | 3348 | 3349 | 3350 | 3351 | 3352 | 3353 | 3354 | 3355 | 3356 | 3357 | 3358 | 3359 | 3360 | 3361 | 3362 | 3363 | 3364 | 3365 | 3366 | 3367 | 3368 | 3369 | 3370 | 3371 | 3372 | 3373 | 3374 | 3375 | 3376 | 3377 | 3378 |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|

[illegible]

[illegible]

५०५-कृष्णिनी। तस कश्च भी कश्च मंजु कींस मराउको। पत्र चव उठि सली पुसत

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 0 | 0 | 3 | 5 | 7 | 9 | 11 | 13 | 15 | 17 | 19 | 21 | 23 | 25 | 27 | 29 | 31 | 33 | 35 | 37 | 39 | 41 | 43 | 45 | 47 | 49 | 51 | 53 | 55 | 57 | 59 | 61 | 63 | 65 | 67 | 69 | 71 | 73 | 75 | 77 | 79 | 81 | 83 | 85 | 87 | 89 | 91 | 93 | 95 | 97 | 99 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 0 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 |

| | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ၅၃ | ၅၅ | ၅၆ | ၅၇ | ၅၈ | ၅၉ | ၆၀ | ၆၁ | ၆၂ | ၆၃ |
| ၀၀ | ၀၁ | ၀၂ | ၀၃ | ၀၄ | ၀၅ | ၀၆ | ၀၇ | ၀၈ | ၀၉ |
| ၀၁ | ၀၂ | ၀၃ | ၀၄ | ၀၅ | ၀၆ | ၀၇ | ၀၈ | ၀၉ | ၁၀ |
| ၁၁ | ၁၂ | ၁၃ | ၁၄ | ၁၅ | ၁၆ | ၁၇ | ၁၈ | ၁၉ | ၂၀ |
| ၂၁ | ၂၂ | ၂၃ | ၂၄ | ၂၅ | ၂၆ | ၂၇ | ၂၈ | ၂၉ | ၃၀ |
| ၃၁ | ၃၂ | ၃၃ | ၃၄ | ၃၅ | ၃၆ | ၃၇ | ၃၈ | ၃၉ | ၄၀ |
| ၄၁ | ၄၂ | ၄၃ | ၄၄ | ၄၅ | ၄၆ | ၄၇ | ၄၈ | ၄၉ | ၅၀ |
| ၅၁ | ၅၂ | ၅၃ | ၅၄ | ၅၅ | ၅၆ | ၅၇ | ၅၈ | ၅၉ | ၆၀ |
| ၆၁ | ၆၂ | ၆၃ | ၆၄ | ၆၅ | ၆၆ | ၆၇ | ၆၈ | ၆၉ | ၇၀ |
| ၇၁ | ၇၂ | ၇၃ | ၇၄ | ၇၅ | ၇၆ | ၇၇ | ၇၈ | ၇၉ | ၈၀ |
| ၈၁ | ၈၂ | ၈၃ | ၈၄ | ၈၅ | ၈၆ | ၈၇ | ၈၈ | ၈၉ | ၉၀ |
| ၉၁ | ၉၂ | ၉၃ | ၉၄ | ၉၅ | ၉၆ | ၉၇ | ၉၈ | ၉၉ | ၁၀၀ |

[illegible]

| | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|
| 07 | 9' | 90' | 99' | 97' | 94' | 94' | 95' | 97' | 97' | 71' | 70' | 79' | 77' | 74' | 74' | 75' | |
| 07 | 5 | 5 | 7 | 7 | 5 | 3 | 7 | 7 | 7 | 5 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| 07 | 4 | 3 | 3 | 90 | | | 39 | 90 | 97 | 0 | 5 | 0 | 3 | 9 | 7 | 07 | 34 |
| 90 | 0x | 20 | 07 | 47 | 40 | 25 | 23 | 33 | 20 | 45 | 0 | 0 | 43 | 21 | 39 | 07 | 37 |
| 07 | 23 | 37 | 0 | 4 | 35 | 0 | 49 | 47 | 0 | 43 | 0 | 5 | 07 | 00 | 27 | 44 | 42 |
| 01 | 0.2 | 07 | 37 | 57 | 24 | 37 | 29 | 37 | 47 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 90 | 2.2 | 29 | 41 | 20 | 3 | 20 | 47 | 46 | 9 | 2.2 | 29 | 41 | 29 | 39 | 5 | 43 | 47 |

| | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| ०७ | १० | ११ | १० | १० | १० | १० | ०३ | ०१ | ०७ | ०७ |
| ३५ | १७ | ५१ | १३ | ०५ | ५० | ०५ | ०१ | ५३ | ३० | ३० |
| ५ | ५ | १५ | ०५ | ०३ | ३३ | ३१ | ० | ३३ | ०० | ०० |
| ५ | १ | १ | ० | ० | ३ | ५ | ५ | १ | १ | १ |
| ० | ३ | १० | ३ | ३३ | ३३ | ०३ | ३० | ३० | ३० | ३० |

[illegible]

| | | | | |
|--|---|---|---|---|
| <p>यष यस्यैधयीउभु सं ५०५०</p> | <p>०.मिडं धष्ट. रवी नि५।७३ (कं) ५ नक. दस. गी नि५।५३ (कं)</p> | <p>१३ नक. यउ. रवी नि०।११ (कं) १ नक. नव. सुके नि०१।५१ (मं)</p> | <p>नि०।१७ (मं) दंभरि ३५ नक. यउ. रवी नि१।५७ (भी)</p> | <p>विवदभुङ्गः मं. ५०५. वि. ३०५० नि००।०७ (कं)</p> |
| <p>वैसापवरि १. यउ. धं. सुके नि५।५५ (मं)</p> | <p>५ नक. लका. सुके नि५।५७ (कं) नि०।१३ (कं) १ नक. इय. रवी नि५।५५ (कं)</p> | <p>भानवरि ०० नव. इडी. रवी नि०।१५ (कं) भानसुरि</p> | <p>नि०।१७ (कं) ३५ नक. धं. नं. मं नि५।५५ (कं) नि१।५० (भी)</p> | <p>गैउसुरि ०५ नव. यउ. रवी नि०।१५ (मं) वैवरि ०५ नव. इडी. रवी नि०।१७ (कं)</p> |
| <p>वैसापसुरि ५ नक. इडी. सुके नि५।५५ (मं) नि५।०७ (कं) १ नक. यउ. नं. मं नि०।१७ (कं)</p> | <p>कववरि ०० नक. ५३. गी नि५।५० (कं) नि०।१५ (कं) ०५ नक. धं. नं. मं नि०।१७ (कं)</p> | <p>१३ नव. यउ. गी नि५।५० (कं) ३ नक. दस. नं. मं नि५।७७ (कं) ५ नक. यउ. रवी नि५।७५ (कं)</p> | <p>०५ नक. लका. रवी नि१।०३ (भी) नि०।१५ (कं) ५ नक. यउ. नं. मं नि१।०५ (भी) नि५।७७ (कं)</p> | <p>०५ नव. इडी. रवी नि०।१७ (कं) १००।१७ (कं) १०।१५ (मं) १०।१५ (कं) १०।१७ (भी)</p> |
| <p>अमिनसुरि ११ मिडं रव इडी. गी नि५।७५ (कं)</p> | <p>कासुरि १३ नक. इडी. सुके नि०।१५ (मं)</p> | <p>भानसुरि ०५ नक. लका. सुके नि५।७५ (कं)</p> | <p>सुकासं → ०५ नक. यउ. रवी उक. गैवरि → १३ नक. यउ. रवी</p> | <p>१०।१५ (कं) १०।१७ (कं) १०।१७ (भी) १३ नव. यउ. रवी नि५।५५ (मं)</p> |

विषयः —

मि० ७३० (कं)

१००१५० (रं)

वैसाखसुदि

३० मं ५ दिव. वर

१७१५३ (मी)

३० मं ६ दि. गुरी

मि० ७३० (रं)

मि० ००१३५ (कं)

मि० ७३१५० (मं)

मि० ७३०५ (कं)

१११० (मी)

३० मं ६ दि. सुके

मि० ७३५३३ (मि)

मि० ००१३० (कं)

मि० ७३१५५ (मि)

मि० ७३०० (कं)

१००१३० (रं)

१०७१३७ (मं)

१७१० (कं)

३० मं ५ वर

मि० १५५३५ (रं)

मि० ००१० (कं)

मि० ७३१५० (कं)

०० मं ६ सु. गुरी

१७१५५ (रं)

१००१५७ (मं)

१०१७३ (कं)

१७१० (मी)

०० मं ६ सु. सुके

मि० १७३५३ (रं)

मि० १५७ (कं)

मि० ७३१०३ (मि)

सावदि

३३ सु. लां ६ सु. मं

१७३५५ (मि)

३५ सु. ला. सु. वर

मि० १०५३३ (मि)

मि० १५० (कं)

मि० १५० (रं)

१७३३० (कं)

१७१५५ (मी)

१७३३५ (रं)

सासुदि

३० सु. लां ६ दि. मं

मि० ७३० (कं)

मि० १५० (रं)

१७३०० (कं)

१७१५५ (मी)

० सु. ला. सु. वर

मि० १५३ (मि)

१७३३५ (कं)

१७३३५ (मी)

१७३३५ (मि)

३ सु. ला. सु. गुरी

मि० १५५ (मि)

मि० १५३ (रं)

३ सु. ला. सु. वर

मि० १५५ (रं)

१७१५५ (कं)

१७१५५ (मी)

१०१५७ (मि)

३ सु. ला. सु. मं

मि० १७३५३ (मि)

मि० १५७ (कं)

३ सु. ला. सु. वर

मि० १५३ (कं)

३ सु. ला. सु. गुरी

१७१५० (कं)

१७३५५ (मी)

१००१७५ (मि)

०० सु. ला. सु. सुके

मि० १०३५५ (मि)

मि० ७३५ (कं)

३ सु. ला. सु. वर

मि० १५५३३ (मि)

मि० ७३० (कं)

३ सु. ला. सु. मं

मि० ७३५३३ (मि)

३ सु. ला. सु. मं

मि० ७३५३३ (मि)

१००१७० (मि)

१०७३५५ (कं)

१७३१०० (मि)

३ सु. ला. सु. वर

१७३३५ (कं)

१०७३३० (कं)

१७३५५ (मि)

३ सु. ला. सु. मं

मि० १५३ (मं)

मि० ७३५५ (कं)

१७३५५ (कं)

१०७३३० (कं)

१७३३५ (मि)

३ सु. ला. सु. वर

१०७३३० (कं)

३ सु. ला. सु. मं

मि० ७३५५ (कं)

मि० ७३५५ (कं)

१०७३३० (कं)

३ सु. ला. सु. मं

३ सु. ला. सु. मं

| | | | | | |
|-----------------|----------------|------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| ग ०१३७ (क) | मि ३१०३ (कुं) | ग ००१७ (क) | मि ००१३ (रं) | ग ००१५३ (मिं) | मि ०३१०५ (कुं) |
| ग ११०७ (मिं) | ग ११३५ (रु) | ग ०१७५ (मिं) | मि ०१०५ (कुं) | ३० नवें. बुध. वर | १ दिवस. गुरु. वर |
| ०५ मक. मङ्ग. वर | ३० मक. बु. वर | ३० मक. मङ्ग. वर | मि ३१०३ (मी) | मि ३१०३ (रं) | ग ११३ (मिं) |
| मि ३१३७ (रं) | ग ००१३३ (क) | मि ३१३५ (रुं) | ग ०१३५ (मिं) | | ग ००१३३ (मिं) |
| मि ०१५७ (मं) | ग ०१५७ (मिं) | ३० मक. मङ्ग. वर | ग ३१५३ (कं) | मि ०१५ (कुं) | ग ०१५ (कं) |
| मि ३१३० (कुं) | ३३ मक. बुध. वर | मि ३१३५ (रुं) | ०० नवें. बुध. वर | मि ३१३३ (मी) | ३ दिवस. मङ्ग. वर |
| ग ००१५० (क) | मि ३१३३ (रुं) | ५ नवें. गुरु. वर | मि ११३३ (रुं) | भानवदि | मि ३१०० (रं) |
| ग ३१०५ (मिं) | मि ०१३५ (मं) | ग ०३१५३ (मिं) | ०१ नवें. गुरु. वर | ३५ नवें. बुध. वर | मि ००१५७ (कुं) |
| ०५ मक. मङ्ग. वर | मि ३१५५ (कुं) | ५ नवें. बुध. वर | ग ५००७ (रुं) | ग ००१३३ (मिं) | मि ०१०५ (मी) |
| मि ३१३५ (रुं) | ग ११०५ (रुं) | मि ३१५ (रुं) | ०५ नवें. गुरु. वर | ग ३१३ (कं) | ग ५१५७ (मिं) |
| मि ०१५३ (मं) | ग ००१३५ (क) | मि ००१३३ (रं) | मि ३१३५ (रुं) | ३५ नवें. बुध. वर | ग ००१३३ (मिं) |
| मि ३१३७ (कुं) | ग ०१५७ (मिं) | मि ३१३७ (कुं) | मि ०१०३ (कुं) | मि ०३१३७ (कुं) | ग ०१० (कं) |
| ग ००१५७ (क) | कामदि | ग ५१३० (रुं) | मि ३१५५ (मी) | मि ३१०० (मी) | भौधवदि |
| ०७ मक. गुरु. वर | ३५ मक. बुध. वर | ग ०१५५ (मिं) | ग ०३१३ (मिं) | ३५ नवें. गुरु. वर | १ दिवस. बुध. वर |
| ग ०३१५ (क) | मि ०१५५ (मं) | ग ३१०३ (कं) | ०७ नवें. गुरु. वर | ग ०३१०३ (मिं) | मि ३१० (रं) |
| ३० मक. गुरु. वर | मि ३१५७ (कुं) | भानवदि | मि ३१३० (रं) | ग ०१५७ (कं) | मि ००१५७ (कुं) |
| मि ३१३७ (रुं) | मि ३१०३ (मी) | ०० नवें. बुध. वर | मि ०१०५ (कुं) | ३ दिवस. गुरु. वर | मि ०१०० (मी) |
| मि ०१३७ (मं) | ग ११० (रुं) | मि ३१५३ (रुं) | मि ३१३३ (मी) | मि ३१३३ (रं) | ०७ दिवस. मङ्ग. वर |

| | | | | | |
|--|---|---|--|--|---|
| <p> ग ५।७५ (मि) ग ०७।५० (कं) ०५ मि.सं. यष्ट. सुके मिग।५५ यष्टः (कं) म।य।सुदि ०५ वर। पका. सुके मिग।५० यष्टः (कं) मि००।७७ (मं) ७ वर. सु।म.सर्वो. मिग।५० यष्टः (कं) ववदि ५ वरवरी यष्टि. वर मि३।०५ (कं) मि००।०७ (मं) मि०।७५ (मि) ग००।७ (जं) ग७।५० (कं) उ वर. इडी. सुके मिग।७५ (कं) मि०।५५ (मं) </p> | <p> मि०।७३ (मि) ग५।३ (मि) ग००।५५ (जं) ग७।५७ (कं) ०० वर. यं.सर्वो. ग७।७. (कं) ०० यष्ट. यं.सर्वो. मिग।०७ (कं) मि०।५७ (मं) ०५ वर. यं.सर्वो. ग००।७० (जं) ग५।३० (मं) ०५ वर. पका. सुके मि०।७७ मं मि०।० (मि) मि७।०५ (कं) ववदि ७० वर. यं.सर्वो. ग७।५० (कं) ग५।५ (मं) </p> | <p> ७७ वर. इडी. सुके मि०।०० (मं) मि०७।७७ (मि) मि७।५३ (कं) ग००।० (जं) ग७।५७ (कं) ग५।५० (मं) ७५ वर. यं.सर्वो. मि३।५७ (मं) मि०७।०० (मि) मि७।७५ (कं) ग०।७३ (जं) ग७।७५ (कं) ग५।७३ (मं) ०५ वर. यं.सर्वो. मि३।५५ (मं) मि७।७७ (मि) मि३।५५ (कं) ५ वर. यं.सर्वो. मि३।५५ (मं) मि३।५५ (मं) मि३।५५ (मं) मि३।५५ (मं) </p> | <p> मंजु रतिष्ट य. य. चाययसुदि ०५ मग. यं.सर्वो. मिग।५ (मि) मि५।७७ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।७३ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) </p> | <p> ववदि ७७ मग. इडी. सुके मि७।७५ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि७।७५ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि७।७५ (कं) ववदि उ वर. इ. सुके मिग।७५ (कं) मि००।७५ (कं) ७ वर. यं.सर्वो. मि००।७५ (कं) ०० वर. यं.सर्वो. मि००।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) मि०।७५ (कं) </p> | <p> ववदि ७७ मग. इडी. सुके मि०।०५ (मं) मंजु रतिष्ट य. य. चाययसुदि ०५ मग. यं.सर्वो. मिग।५ (मि) मि५।७७ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।७३ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।७३ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) मि५।५५ (मि) मि५।७३ (कं) ७ मग. यं.सर्वो. मि५।५५ (मि) </p> |
|--|---|---|--|--|---|

| | | | | | |
|----------------|----------------|---------------|----------------|----------------|----|
| संज्ञादि | मि 3100 (रं) | मि 7173 (मि) | मि 7147 (रं) | भजनसुदि | 98 |
| इ. उ | मि 00147 (रं) | मि 03100 (मि) | मि 10 (रं) | 97 नवं मधु. सु | मि |
| मि 315 (मि.) | मि 0125 (मि.) | मि 3183 (रं) | कावलि | मि 3147 (रं) | मि |
| मि 03125 (मि.) | मि 3100 (रं) | 03 नवं सु. सु | 04 मक. पं. सु | उदिमं. सु. सु | 03 |
| मि 3100 (रं) | मि 3173 (रं) | मि 3173 (रं) | मि 7194 (रं) | मि 3173 (रं) | मि |
| 9 नवं मधु. सु | वैसुदि | उमिनसुदि | कासुदि | मि 03105 (रं) | मि |
| मि 510 (रं) | उमं मि. सु. सु | 95 मि. सु. सु | 97 मक. सु. सु | उदिमं. सु. सु | मि |
| मि 7147 (मि.) | मि 3100 (मि) | मि 3107 (रं) | मि 3127 (रं) | मि 3100 (रं) | मि |
| मि 03173 (रं) | मि 03147 (मि) | मि 3173 (रं) | 30 मक. मधु. सु | मि 00147 (रं) | मि |
| कासुदि | मि 3102 (रं) | 97 मि. सु. सु | मि 3195 (रं) | भजनसुदि | - |
| 94 मक. सु. सु | उमं सु. सु | मि 3147 (रं) | 4 नवं सु. सु | 04 मक. सु. सु | मि |
| मि 3147 (रं) | मि 5107 (रं) | मि 3173 (रं) | मि 3147 (रं) | मि 7 (रं) | मि |
| 95 मक. सु. सु | मि 315 (मि.) | उमि. सु. सु | मि 00173 (रं) | मि 03107 (रं) | मि |
| मि 3127 (रं) | 9 नवं मधु. सु | मि 7197 (रं) | मि 3173 (रं) | कावलि | मि |
| भजनसुदि | मि 510 (रं) | मि 3195 (रं) | भजनसुदि | उदिमं. सु. सु | मि |
| 00 नवं सु. सु | मि 7147 (मि) | 4 मक. सु. सु | 00 नवं सु. सु | मि 7147 (रं) | मि |
| मि 0127 (मि.) | मि 03173 (मि) | मि 0017 (रं) | मि 7127 (रं) | मि 00174 (रं) | मि |
| भजनसुदि | मि 03173 (मि) | मि 3127 (रं) | मि 0017 (रं) | कासुदि | मि |
| उदिमं. सु. सु | 00 नवं सु. सु | 5 मक. सु. सु | मि 0127 (रं) | | |



